



NAVODAYA VIDYALAYA SAMITI

KRISHNA KUMAR PATEL

TGT Science Teacher



Personal Summary

I am a science teacher keen interested to educate learners and society through Information and Communication Technology.ICT and Open Educational Resources OER.

- Certified Microsoft Innovative Educator.
- 2. RTICT teacher TATA Clix (TISS)
- 3. School Innovation Ambassador

- 4. School NEP Ambassador
- 5. PISA, ATL, AEP, ACP I/C & ANO (NCC)

6.Innovation Ambassador (The Innovation cell of ministry of Education)



Qualification

- a) .M.Sc Chemistry
- b) B.Ed.
- c) Many certificate courses done on Microsoft, Diksha ,WHO, Chalklit, Teacher app ,and MY Gov.
 - d) Have completed a lot of training done by NVS ,CBSE
- e) Have completed trainings of different ICT like Oracle,Olabs, Clix module TATA, KRITA, Samsung Smart Class, Alice 3D, Google & Microsoft team apps

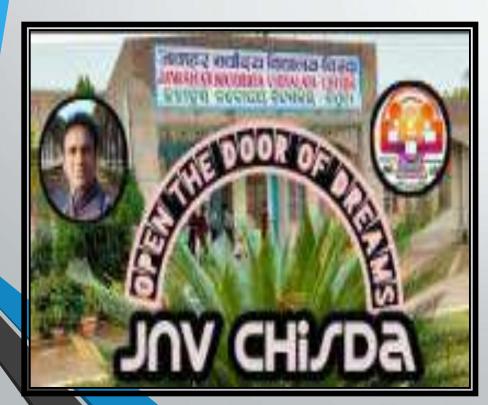
AWARDS

- . National ICT Award 2019 by Ministry of Education (Gov.of India) Microsoft Innovative Educator
- . National Awards to Teacher 2021 (Regional), Govt.of India
- . Innovative teacher tag by MICROSOFT
- .Best ANO, NCC
- .YouTube creator Digital Teacher
- .Navoday E-content Creator
- . Samsung health Leader and many more National Mentor for Digital Education

My School JNV Chisda ,Sakti (c.G.)



Presented By **Krishna Kumar Patel**





Statement of Teaching philosophy:

Activity based lesson of Science

Being able to communicate Science effectively to both technical and non-technical audiences is a highly important skill for students of Science attain. As such, I place communication at the centre of my courses, emphasising it in the syllabus, in classes, in assessments and in course materials. In one class, for example, students worked ,I have created a rubric against which I assess students' projects. Communication skills are heavily emphasised in the rubric, with criteria including comprehensibility, selection of examples, document structure, and accuracy of notation and terminology.





Awards





सत्यमेव जयते

MINISTRY OF EDUCATION

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग Department of School Education and Literacy

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार - 2021 NATIONAL AWARDS TO TEACHERS - 2021

> क्षेत्र स्तरीय चयन Regional level selection



This is to certify that Mr. KRISHNA KUMAR PATEL, has been selected by

NVS Regional Selection Committee of Region : BHOPAL. For further consideration by Organization Selection Committee of NVS

P S SARDAR | DEPUTY COMMISSIONER |

GEETIKA SHARMA | ASSISTANT COMMISSIONER |

DR. SATANAND MISHRA | SR. SCIENTIST |











_ mmmm

Microsoft

Certificate

... of Appreciation ...

This is to certify that Ms./ Mr./ Dr./ Prof. KRISHNA KUMAR PATEL,

TGT SCIENCE, Navoday Vidyalay samiti

has participated in the online session on "Orientation of the Cyber Ambassadors" conducted by Central Institute of Educational Technology (CIET) - NCERT in collaboration with CyberPeace Foundation on 30th August, 2022.



Prof. Amarendra Prasad Behera
Joint Director
CIFT-NCFRT



Major Vineet Kumar Signature

Director Cyber Peace Foundation





This is to certify that Ms./ Mr./ Dr./ Prof. KRISHNA KUMAR PATEL,

TGT SCIENCE, Jawahar Navoday Vidyalay CHISDA, Janjgir Champa

Chhattisgarh,

has participated in the five days online training on "Virtual Labs for Teaching,
Learning and Assessment" organised by CIET-NCERT from September 26-30,
2022 and has scored above 70% in the post-session quiz.



rof. Amarendra Prasad Bel Joint Director CIET-NCERT



Prof. Indu Kumar





KK Patel

has successfully completed

Microsoft Educator academy

March 5, 2023 • 5 hr 28 min

Microsoft



Krishna Kumar Patel

has successfully completed

Master Microsoft Teams for any learning environment

March 24, 2023 • 7 hr 43 min

Sarge N.

Satya Narayana Nadella









OF APPRECIATION

This is to certify that Ms./ Mr./ Dr./ Prof. KRISHNA KUMAR PATEL,

TGT Science (National ICT Awardee), Jawahar Navodaya Vidyalaya

CHISDA District Janjgir Champa Chhattisgarh,

has participated in the five hours online training on "Digital Infrastructure for Knowledge Sharing-DIKSHA" organised by Central Institute of Educational Technology, NCERT from 27-31 March 2023 and has scored above 70% in the post-session quiz.

Prof. Amarendra Prasad Behera
Joint Director
CIET-NCERT

Prof. Indu Kumar

Head, DICT & TD and Course Coordinator
CIET-NCERT

Dr. Angel Rathnabai
Asst. Professor & Programme Coordinator
CIET-NCERT



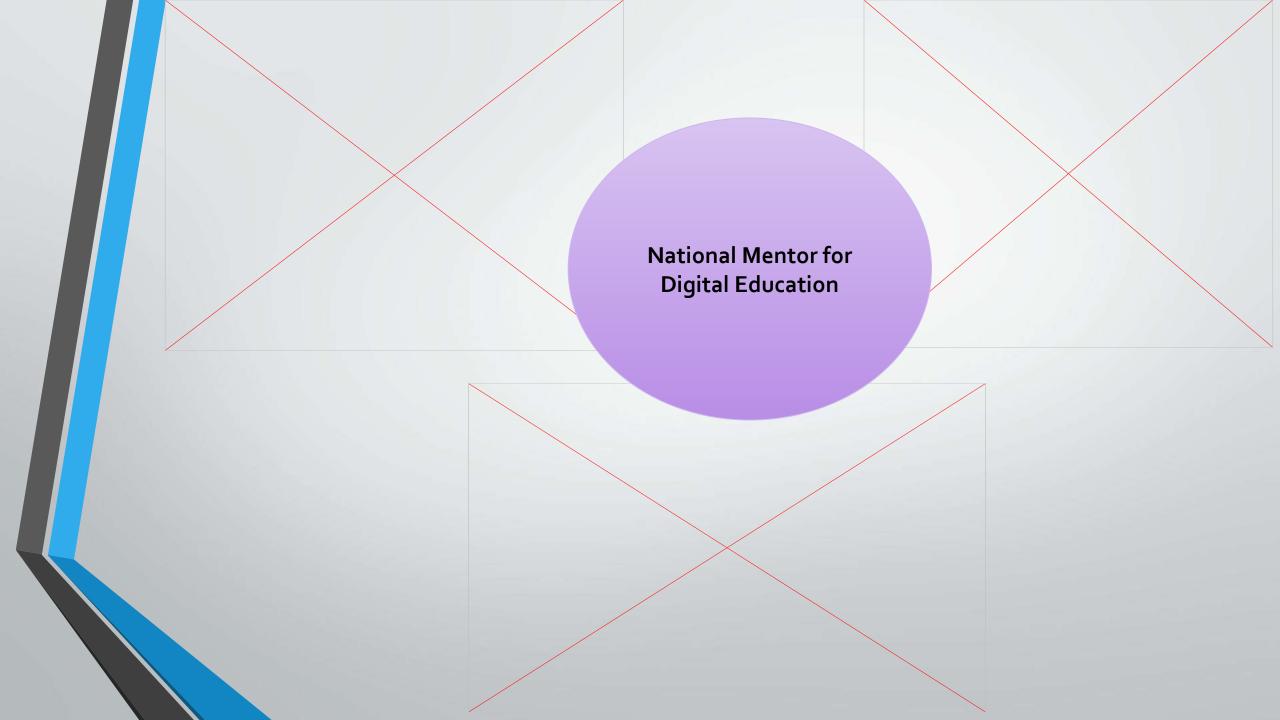


Krishna Kumar Patel

has successfully completed

21st century learning des

April 15, 2023 • 7 hr 2 min



/कारों का प्रचार कर जनसमुदाय को जागरूक कर रही



राहरू परीक्षण क्या जैकारपाल कि स्वीतीय प्रकारण केंद्र में एक प्राप्ता है। उसके और प्राप्तान भीन बीहान नेवाली करतेण और

आते हैं। मध दो जनार खलम - फ्रें पति धनावाद प्रकार किया तर नेवास में अभी तक सात बजार धमण दौरान राष्ट्रीय मानवाधिकार लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण और एवं अपराध नियंत्रण व्यूगे के इलाज किया गया है। स्वास्थ्य संभाग अध्यक्ष डाक्टर हरितर प्रसाद कार्यकर्ता इस जंगल क्षेत्र में गांवों पटेल, महिला विंग संभाग अध्यक्ष में अपनी मनास्थ्य सेनाएं है से सरस्वती प्रशासक करना अध्यक्ष .यह डावेखनीय और प्रशंसनीय विकासिनी प्रधान, ग्रामीण पण निरीक्षण में पाया गया है कि सिदार संबंधि कर्लगा, सुत्रीत ध्यन को स्थित जर्बर है, जिससे सेट,छवी कुमती कलगा, गोसई कर्मधारी स्टाप, हिराधाहियों को राम कलंग, हिन्दाम बीहान गायत्री साथ व मालती नै बताया अभी भी अकरमात नुकरतन पहुंच दुरपति कलेगा, भीमसेन कलेगा,

बिलाइंगढ़ के शिक्षत ग्राम खजरी il from sitemen strager me करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम रखा यया था। जिसे संबोधित करते हुए मागर जिला रायगद्र के निवासी हैं तथा वर्तपान में विज्ञान शिक्षक क्रम में जलाग नलेखा विद्यालय जिला जांजगीर चांचा में विजिल्ल शिक्षा मेंटर के रूप में को क्रमक: 5000, 3000 नगर विजिष्ट अतिथि तलन क्रमत भौतिकी शिक्षक के उल्लाम बहुत

चयनित हैं साथ हो नेशनल साहि, प्रशस्ति पत्र एवं द्वाँकों से आरद्वान प्रदेश अध्यक्ष छलोसगढ़ साहे आविध गण एवं हामीण बन आईसीटी एवं राष्ट्रीय शिक्षक सम्मानित काले हैं। टेंसन में लेने के बताय मेलिबेट

पूर्व वेजाने वक्तरे प्रतिश्च दें से मानता मुश्तिक में क्षेत्र में दें से मानता मुश्तिक में क्षेत्र में स्वर्धि दें स्वरूप प्रतिक में मानता महिन्दिक में स्वरूप में क्षेत्र मानता महिन्दिक मानता महिन्दिक में क्षेत्र मानता महिन्दिक नेतराम साह ज्याज्याता (रसायन) should be recognized by my new name that is MANU NAM. द्वारा विनात 10 वर्षों से अपने दादा Sto Goverda Nak in all gover-प्राम प्रवासि श्रीयमी कर्मा हेवी स्पति में क्लोबगढ़ हाक संकेडरी



कारिकारी शिक्षक संघ के अलावा अपस्थित थे। विज्योंने अपने पुरस्कार में सम्मानित त्रिक्षक हैं,ने उन्ह करवेक्रण में राष्ट्रमीत विनोद भारदान, भनेत्वर प्रसाद उद्घेपन से कार्यक्रम को गति प्रदान कहा कि नीयन में सफलता के पदक राज्यप्रल पुरस्कार एवं नार्य पहिल शाँति एक्सप तिलाएँ किया। कार्यक्रम का कुशल लेए हमेशा परीक्षा में गुजरना राष्ट्रीय बात करन्याय पुरस्कार के ओम साह अध्यक्ष नगर साह संघ आयोजन संबातन नेतराम साह पढ़क है, तो क्यों न पर्रेक्ष की समानित त्रिधक भारत लाल साहू छयगह, मींगळांत संगीत शिधक (ध्याखाता रसायन) ने किया।

CHANGE OF NAME नस्म परिवर्तन सूवना

MANU NAIK

टू जा अन्य में भूते करून ताक्कीय वर्तवासकीय र अन्य तालकी में में नमें सम अन् नगर किंव लेकिना नावक में निर्मा क

PAIGABH II MIU 1674 EN

युवक की आवश्यकता है जिसको मार्केटिंग फील्ड में काम करने का अनुभव हो। पेपेन्ट योग्यता अनुसार दिया

9752600340



आईओएस बीटा के लिए व्हाटसऐप रोल आउट कर रहा नया फीचर. जानकर खश हो जाएंगे आप

सैन फार्मिसको। मेटा कं व्यक्तिक वाल्य मेसेजिंग रुख्यमंत्री

छात्र परीक्षा को त्योहार के रूप में सेलिब्रेट करें: कृष्णकुमार पटेल

खजरी में शिक्षा प्रोत्साहन एवं कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम संपन्न





रायगढ । सारंगढ-बिलाईगढ के शिक्षित ग्राम खजरी में आयोजित शिक्षा प्रोत्साहन पुरस्कार एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम में गांव व क्षेत्र के विद्यार्थियों व उपस्थित अभिभावकों को शिक्षाविदों ने जीवन में शिक्षा के महत्व, शिक्षा प्राप्त कर रुचि के अनुरूप करियर का चयन कैसे करें, को जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम का शभारंभ अतिथियों, शिक्षाविदों, जनप्रतिनिधियों के कर कमलो विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती के चित्र पर पुजन अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

शिक्षा प्रोत्साहन एवं कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जवाहर नवोदय



(साइंस) कष्णकमार पटेल (राष्ट्रीय अध्यापक परीक्षा को टेशन में लेने के बजाय सेलिब्रेट के वरिष्ठ एवं अनुभवी शिक्षाविद डॉ. एनपी किया। कार्यक्रम को विनोद भारदाज सेवानिवत्त शिक्षा परिषद द्वारा नेशनल मेंटर टीचर के रूप में लें। पूर्ण तैयारी करके परीक्षा दें तो यादव कहा कि परीक्षा में सफलता के लिए शिक्षाचिद, मानसकार, लेखक चनेश्वर प्रसाद चयनित ,नेशनल टीचर अवार्ड से सम्मानित सफलता सुनिश्चित होती है। प्रभावी एवं परिश्रम के अलावा दूसरा विकल्प नहीं होता है। वर्मा, श्रीमद्भागवत महापराण के आचार्य पंडित शिक्षक) ने कहा जीवन में सफलता के लिए कवितामय वक्कव्य से बच्चे बहुत आकर्षित व छात्र अपनी कॉन्फिडेंस को बढ़ाकर अपने आप शांतिस्वरूप तिवारी ने भी संबोधित किया।

राष्ट्रपति पदक. राज्यपाल परस्कार एवं राष्ट्रीय बाल कल्याण पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक, संचालक दत्तक पत्री शिक्षा सहयोग समिति रायगढ ने खजरी गाँव की साफ-सफाई, स्वच्छता, शिष्टाचार, व्यवहार, संस्कार की बडाई करते हुए करते हुए कहा कि जीवन में अच्छे कर्म करते रहिए. अच्छा काम करेंगे तो सफलता व सम्मान दोनों मिलता है । विशिष्ट अतिथि लैलंन कमार भारद्वाज प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ क्रांतिकारी शिक्षक संघ ने कहा कि अपने पूर्वजों की स्मृति में शिक्षा को प्रोत्साहित करना एक महान पण्य का

अतिथियों ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

अतिथियों ने स्व. पं. रामप्रसाद साह . स्व. श्रीमती कचरा देवी साह की स्मति में ख्याति साह 12वी, 74,5 प्रतिशत दसवी में धर्मेश साह् 98.33 प्रतिशत , दृष्यंत साह् 94.5 प्रतिशत आढवी में समीर साह 87.5 प्रतिशत पांचवी में देवकी साह 97.5 प्रतिशत को क्रमश: 5000 रुपए, 3000 रुपए, 2100 रुपए, 1100 रुपए प्रदान कर सम्मानित किए। राजीव युवा मितान क्लब खजरी के अध्यक्ष उमाशंकर साह द्वारा 10वीं, 12वीं बोर्ड परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले गांव के छात्र को प्रशस्ति पत्र, टॉफी नगद 500 राशि से सम्मानित किया। शौकीलाल साह ने अपने पिता स्व. सीताराम साह, स्व कीरित राम साह, पत्नी स्व. मालती देवी साह की स्मृति में 2100, 1100 रुपए का शिक्षा पुरस्कार प्रदान किए । श्रवण कुमार साह सरपंच ग्राम पंचायत खजरी द्वारा २ १००२, १ १००२ प्रदान कर सम्मानित

कार्यकम के दौरान ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में जानकी देवी जायसवाल सभापति जनपद पंचायत सारंगढ, श्रवण कमार साह सरपंच ग्राम पंचायत खजरी. दादलाल साह अध्यक्ष शाला विकास समिति खजरी, खीकबाई साहू पूर्व सरपंच, राधेश्याम साहू पूर्व जनपद सदस्य, कमला देवी साह, बाबूलाल साह, श्याम लाल साह, लोचन साह, तुमेश्वर साह, टिकेश साह, गुणसागर साह दुगेंश साह, अमन साह सहित छात्र-छात्राएं, शिक्षक शिक्षिकाएं , युवक-युवतियां शामिल हुए।अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सँम्मानित किया गया कार्यक्रम में ओम साह अध्यक्ष नगर साह संघ रायगढ़ , महेश साव (कायजर), टीकाराम साह, ढालेश पटेल पीजीटी भौतिकी मणिकांत म्यजिक टीचर जवाहर नवांदय विद्यालय ने अपनी मधर गायन से कार्यक्रम में समा बांधा।कार्यक्रम का कशल आयोजन संचालन नेतराम साह व्याख्याता (रसायन) ने किया।

जीवन का हर क्षण परीक्षा, विद्यार्थी परीक्षा को त्यौहार के रूप में लें : कृष्णकुमार पटेल

जनकर्म न्युज।

रायगढ। खजरी, सारंगढ-बिलाईगढ के शिक्षित ग्राम खजरी में शिक्षा प्रोत्साहन पुरस्कार एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम रखा गया था। जिसे संबोधित करते हुए कृष्णकुमार पटेल जो कि ग्राम धनागर जिला रायगढ़ के निवासी हैं तथा वर्तमान में विज्ञान शिक्षक के रूप में जवाहर नवोदय विद्यालय जिला जांजगीर चांपा में पदस्थ हैं जिन्हें राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा नेशनल डिजिटल शिक्षा मेंटर के रूप में चयनित हैं साथ ही नेशनल आईसीटी एवं राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक हैं,ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए हमेशा परीक्षा से गुजारना पड़ता है, तो क्यों न परीक्षा को



सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र को क्रमश: 5000, 3000 नगद राशि, प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी से सम्मानित करते हैं।

उक्त कार्यक्रम में राष्ट्रपति पदक राज्यपाल पुरस्कार एवं राष्ट्रीय बाल कल्याण पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक भरत लाल साह

भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि ललन कुमार भारद्वाज प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ ऋांतिकारी शिक्षक संघ के अलावा विनोद भारद्वाज, चुनेस्वर प्रसाद वर्मा पंडित शांति स्वरूप तिवारी ओम साह अध्यक्ष नगर साह संघ रायगढ, मणिकांत संगीत शिक्षक

नवोदय विद्यालय ढालेस पटेल भौतिकी शिक्षक के अलावा बहुत सारे अतिथि गण एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे। जिन्होंने अपने उद्बोधन से कार्यक्रम को गति प्रदान किया। कार्यक्रम का कुशल आयोजन संचालन नेतराम साह (व्याख्याता रसायन) ने किया।



← Posts



:











National ICT Award



डिजिटल निमोनिक विधि द्वारा विज्ञान विषय को बनाया सरल व सुगम

दिल्ली में सम्मानित हुए कृष्ण पटेल

ा नवभारत ब्युरो । सयगढ़.

www.navbharat.news

डिजिटल निमोनिक्स विधि से विज्ञान के अध्ययन को रोचक बनाकर विद्यार्थियों को सरलतापुर्वक सीखने की विधि विकसित करने वाले ग्राम धनागर निवासी एवं जवाहर नवोदय विद्यालय चिस्दा में पदस्थ शिक्षक कृष्ण कुमार पटेल ने कोरोना काल में सैकड़ों वीडियो लेसन और ई कंटेंट तैयार करके ऑनलाइन कक्षा एवं यूट्यूब के साथ-साथ विविध सोशल माध्यमों द्वारा विद्यार्थियों तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाई, उनके इस योगदान के लिए सत्र 2019 के उत्कष्ठ शिक्षक आईसीटी उत्कष्ट शिक्षक अवार्ड के लिए



सममानित करते अतिथि.

उन्हें चयनित किया गया, यह एक सखद संयोग है कि एक विज्ञान शिक्षक को विज्ञान दिवस मे विज्ञान शिक्षकों का सबसे बडा पुरस्कार राष्ट्रीय आईसीटी अवार्ड केन्द्रीय शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने नई

अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय भवन के नालंदा सभागार में 28 फरवरी को आयोजित पुरस्कार समारोह सेरेमनी फॉर स्कुल टीचर्स में प्रमाण-पत्र और मेंडल प्रदान कर सम्मानित किया. समारोह में उन

नवीन कदम

धनांगर के माटी पुत्र की चमक राजधानी दिल्ली में

राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ठ शिक्षक के रूप में हुए सम्मानित

डिजिटल निमोनिक विधि द्वारा विज्ञान विषय को सरल व सुगम बनाया शिक्षक कृष्णा ने

विज्ञान के अध्ययन को रोचक बनाकर विद्यार्थियों को सरलतापूर्वक सीखने की विज्ञान शिक्षक को विज्ञान दिवस मे विज्ञान पटेल ने टाटा संस्थान मुंबई से रिफेक्टिव अन्नपूर्ण देवी द्वारा प्रदान किया गया चिस्दा (बांजगीर-चांपा) में पदस्थ श्रीमती अत्रपूर्ण देवी ने नई दिल्ली के फौंडंडेशन के मॉडयल, एलिस थ्री डी भोजराम पटेल, राजेश पटेल, किरण कुमार शिक्षक कृष्ण कुमार पटेल ने कोरोना काल अम्बेडकर ऑतर्राष्ट्रीय भवन के नालंदा सॉफ्टवेयर,ओलैब सिमुलेशन इत्यादि के पटेल, रमेश कुमार पटेल, भास्कर यादव, में सैकड़ों बीडियो लेसन और ई कंटेंट सभागार में 28 फरवरी को आयोजित प्रशिक्षण प्राप्त कर विद्यालय के मास्टर ट्रेनर प्रभाकर पटेल सही उनके लिए ग्राम के तैयार करके ऑनलाइन कक्षा एवं युदयब पुरस्कार समारोह सेरेमनी फॉर स्कल भी हैं, जिसका लाभ विद्यालय के बच्चों के जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल एवं के साथ-साथ विविध सोशल माध्यमों द्वारा टीचर्स में प्रमाण-पत्र और मेडल प्रदान कर साथ-साथ शिक्षकों को भी हो रहा है। नई पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश पटेल ने



अबार्ड के लिए उन्हें चयनित किया गया। प्रयोग कर शिक्षण को बच्चों के लिए यह एक सुखद संयोग है कि एक रोचक और ग्राह्म बनाया है। शिक्षक के.के. मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री विधि विकसित करने वाले ग्राम धनागर शिक्षकों का सबसे बड़ा पुरस्कार ग्रष्टीय टीचिंग विध आई.सी.टी. सीएलआई एक्स धनगर निवासी कृष्णकुमार पटेल की निवासी एवं जबाहर नवोदय विद्यालय आईसीटी अवार्ड केन्द्रीय शिक्षा राज्यमंत्री का कोर्स भी किया है, साथ ही ओरेकल इसको गौरव पूर्ण उपलब्धि पर उनके मित्र

र समारोह में अपने गांव के होनहार शिक्षक की इस ल शिक्षा एवं गौरव पूर्ण उपलब्धि पर बधाई देते हुए

संयुक्त निदेशक सी.आई.ई.टी. अमरेन्द्र

कृष्ण कुमार पटेल ने बताया कि इस

सम्मान के लिए विजेताओं का चयन गत

वर्ष 2021 में ही कर लिया गया था लेकिन

कोविड-19 के कारण परस्कार वितरण राष्ट्रीय स्तर पर सम्भव नहीं हो पाया था।

प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल आइसीटी

रस्कार का आयोजन किया जाता है,

जिसमें परस्कार विजेता को सीआइईटी

दिल्ली के सौजन्य से रजत मेडल, प्रशस्ति

प्रसाद बेहरा भी उपस्थित थे।

चांग, निदेशक उनके उज्जल भविष्य की कामना की है।

राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट शिक्षक के रूप में सम्मानित हुए धनागर के कृष्णकुमार पटेल

सभी स्कूली शिक्षकों को पुरस्कृत

किया गया. जिन्होंने सूचना और

संचार तकनीक का प्रयोग कर शिक्षण को बच्चों के लिए रोचक

और ग्राह्म बनाया है. शिक्षक

केके पटेल ने टाटा संस्थान मुंबई

से रिफेक्टिव टीचिंग विथ

आईसीटी सीएलआई एक्स का

कोर्स भी किया है, साथ ही

ओरेकल फौंउंडेशन के

मॉड्यूल, एलिस थ्री डी

सॉफ्टवेयर, ओलैब सिमुलेशन

इत्यादि के प्रशिक्षण प्राप्त कर

विद्यालय के मास्टर टेनर भी हैं.

जिसका लाभ विद्यालय के

बच्चों के साथ-साथ शिक्षकों को

भी हो रहा है, इस सम्मान के लिए

विजेताओं का चयन गत वर्ष

2021 में ही कर लिया था

डिजिटल निमोनिक विधि द्वारा विज्ञान विषय को बनाया सरल व सुगम

रायगढ सदेश । रायगढ

डिजिटल निमोनिक्स विधि का सबसे बड़ा प्रस्कार से विज्ञान के अध्ययन को राष्ट्रीय आईसीटी अवार्ड रोचक बनाकर विद्यार्थियों को केन्द्रीय शिक्षा राज्यमंत्री सरलतापूर्वक सीखने की विधि अन्नपूर्णा देवी ने नई विकसित करने वाले ग्राम धनागर दिल्ली के अम्बेडकर निवासी एवं जवाहर नवोदय अंतर्राष्ट्रीय भवन के

विज्ञान शिक्षक को विज्ञान दिवस मे विज्ञान शिक्षकों

विद्यालय चिस्दा (जांजगीर- नालंदा सभागार में 28 फरवरी फौंउंडेशन के मॉडयल, एलिस थ्री राष्ट्रीय स्तर पर सम्भव नहीं हो एवं उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण चांपा) में पदस्थ शिक्षक कृष्ण को आयोजित पुरस्कार समारोह डी सॉफ्टवेयर ,ओलैंब सिमुलेशन कमार पटेल ने कोरोना काल में सेरेमनी फॉर स्कल टीचर्स में इत्यादि के प्रशिक्षण प्राप्त कर नेशनल आइसीटी परस्कार का करते रहे हैं. सीमित संसाधनों



भी किया है, साथ ही ओरेकल

भी उपस्थित थे।

बताया कि इस सम्मान

पाया था। प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न करने के लिए योगदान

यूट्यूब चैनल में 13 हजार कष्ण कमार पटेल ने से अधिक सब्सक्राइबर-

ग्राम धनागर जिला रायगढ के लिए विजेताओं का निवासी कृष्ण कुमार पटेल जवाहर नवोदय विद्यालय चिस्दा ही कर लिया गया था जिला जांजगीर-चांपा में विज्ञान लेकिन कोविड-19 के शिक्षक हैं. विगत कई वर्षों से कारण परस्कार वितरण विद्यार्थियों के सर्वागीण विकास



गाँव में सम्मान







My teaching methodology

Tell me I forget teach me I may remember involve me I learn :- Benjamin Franklin

Innovative lesson plans for engaging classes

Lesson plans to deliver the right content using a proprite teaching gets and a technology for effective learning.

Linking practical sessions with theory classes Group projects.

Student environment with science club

Games quizzes for fun based learning

Stories of scientist

Science exhibition

Self confidence

Sessions with teachers and scientist

Science centers visits

Participation in Science competition

Which participation in Science competition student go through a series of brainstorming sessions problem solving and experience are divorce form of learning which day is early don't practice at schools.



My Article at Different research and News paper



योग और स्वास्थ्य

र्चान काल से ही योग और स्वास्थ्य एक दूसरे से यह है कि उपासना मन का एक व्यापाम है जिसका अध्यास करके हम सम्बंधित माने गए हैं. इन दोनों के बीच सम्बन्ध की सभी के प्रति अपनत्व का धाव विकतित करना होता है. ज्याद्यमा भिन्न-भिन्न शब्दों में की जाती रही है. तीसरा मार्ग आत्मबोध का है, इसे भी प्राप्त करने पर आत्मिक गीता के अनुसार में योग एक तकतीक है जिसके अध्यक्ष के द्वारा अनुधृति समानुधुमी होती है, यानी कि चाहे अण में विधु खोजें या विध स्वास्थ्य संवर्धन किया जा सकता और दुशों को समाप्त किया जा में अणु यह मार्ग कई बार मंजिल तक न ले जाकर भटका भी सकता है. सकता है, योग दर्शन के अनुसार, यह एक स्थिति है निसको प्राप्त कर शाखों में इस मार्ग को तत्थ्वार की धार पर चलने जैसा ही बताया है. लेने पर ही वास्तविक स्वास्थ्य की अनुभृति हो सकती है. स्वास्थ्य का 🛛 इस मार्ग के अंतर्गत व्यक्ति अपनी वारम्थकता को पहले शरीर और मन तात्पर्व ही है - स्व में स्थित हो जाना जो योग के संपन्न होने पर ही धरातल पर बाद में उसके भी परे बदाता है. ज्ञानी सृष्टि के हर पदार्थ और संभव हो सकता है. अमवश योग को सीमित अधी में समझा जा रहा है. अनुभृति को योग की अवस्था को पाने का भाष्यम मानता है वह सभी टी. वी. पर योग के प्रचार को देखकर और उपभोत्तावाद की सीमित अवस्थाओं के प्रति जागरूकता को प्राप्त करते गुएसाओं की स्थिति सोध के कारण आसन और धांस के नियंत्रण तक होड़से सीमित मान को प्राप्त करता है.

चीथा मार्ग, शरीर और मन के परिष्कार और संतुलन का है वास्तविक स्व ही चेतना की भिन्न-भिन्न अवस्थाओं में नक्तर, जिसके अंतर्गत आग्रन, प्राणावाय, धारणा, ध्यान, समाधि को रूपों और अनुभवों से युक्त हो सकता है, इसी कारणकहीं इसे आतम- सम्मिलित किया जाता है इससे सम्बंधित गतिविधियों और दर्शन दर्शन के रूप में समझा जाता है तो अन्य प्रंथों में इसे भगवान के साकार व्यापक रूप से विख्यात हो थुके हैं. आसन और प्राणायाम के द्वारा या निराकार रूपों की अनुभूति के रूप में वर्णित किया जाता है. इस तरह 'बाडो फिरार' ठीक करना एक मान्यता बन चुकी है. वह मान्यता अनेक से योग एक प्रक्रिया है विसका वस्तविक लक्ष्य है सव का विस्तारण. जोध निकलों से पुष्ट है, सूर्व नमस्कार और उसके अन्यान्य रूप आज यह विस्तारण वह नहीं है जिसमें व्यक्ति केवल अपने शरीर और मन के समय में फिल्मस्टार और विवतादियों के बीच लोकप्रिय हो यु के हैं. तक ही सीमित हो जाता है वरिक यह यह अवस्था है विसमें व्यक्ति शोध के परिणाम यह दशति हैं कि योगाध्यास करने से अवसाद सबके हित में अपना हित समझकर सम्पूर्ण प्राणिजगत और सृष्टि के विता तनाव और अनिदा वैश्वी अनेक मार्नसिक समस्याओं मेंक्सी

अपनी है हमके विविध अध्यामों में मंत्रावय साहित तथा स्थीप और अपने कर्म में कुशलता का वर्धन करने से भी यह दोग की मन में सहजता उत्पन्न होती है, तनाव का वैसर, हृदय रोग, डायबिटीज अवस्था प्राप्त हो सकती है. हम जो भी कार्य करें उसे पूरी संलम्ला और अन्य कई बीमारियों से सम्बन्ध को देखते हुए पोण से तनाथ का पूर्वक करें और आमे महारत हासिल करने का प्रथास करें तो यही एक प्रथान न सिर्फ भावनात्मक स्थिति की बेहतरी के लिए हैं बल्कि बहुत दिन कर्म योग का रूप ले लेता है जिसके द्वारा व्यक्ति परम अवस्था को सारे रोगों का भावी बोझ भी समाप्त किया जा सकता है, इसका अध्यास प्राप्त करता है. यहाँ परम अवस्था से यह आशय नहीं निकाला जाना - करने से अनेक भावनात्मक जटिलाहाँ सुरुद्ध सकती हैं. कुछ शोध चाहिए कि शरीर और मन के स्तर पर इसके अन्य लाभ नहीं होते हैं. अध्ययन तो यह भी दशांते हैं कि इसके अभ्यास से नशे की आदत कर्मयोग जैसी स्थिति में आने पर व्यक्ति के मानसिक तल पर आनंद की समाप्त होकर शरीर के प्रति संधाल का धाव विकसित होता है. हिलॉरें उठने लगती हैं. व्यक्ति अनेक तरह की मानसिक कठिनाइयों से वोग के माध्यम से आप अपनी इन्द्रियों की सखान भूति की धामता मुक्त हो जाता है. उसके जीवन की गुणवत्ता में बढ़ोतरी होकर सम्बन्ध में बद्धि ला सकते हैं. योगाध्यास के द्वारा दैनदिन जीवन के विभिन्न

अनुभवों में अभिवृद्धि ला सकते हैं, आप खाने के स्वादको बढा सकते दूसरा मार्ग भावनाओं का समुचित पोषण करने का है. इसके है. आप मुनने की, देखने की श्रमता को बदा सकते हैं. आप को स्पर्श अंतर्गत किसी प्रतीक के प्रति अपनी स्नेत भावना का विकास किया का सुख अधिक मित सकता है. आपके संबंधों में माधुर्व का विकास जाए या फिर समाव के पीड़ित, दलित और पंचित वर्ग की सेवा में हो सकता है, चिड़ियों का चहचहाना, धूर का आनंद, हवा का स्वर्श लगाया जाए और अपने जीवन को केवल स्वयं के शरीर, फीजार तक सब कुछ अधिक सुखकर हो सकता है अगर चोग को अपना लिया सीमित न मानकर सारे विश्व के प्रति आराधना का भाव बनावा जाए, जाए यहाँ एक बात स्पष्ट रूप से समझ लेनी चाहिए इस योग की सच्ची पर पर कार के अपनी जाती है कि किसी व्यक्ति के अन्दर सफलता इसी बात से आंकी जाती है कि किसी व्यक्ति के अन्दर (लाधकारी है, इसके द्वारा गारीरिक और मानसिक दोनों ही तरह के संवेदना कितनी मात्रा में विकसित हुयी. इस बात को कहने का आशय

फायदे लिए वा सकते हैं. स्वास्त्य की अनेक समस्याएं एक साथ हत. उदाहरण के लिए नमाब अदा करने के लिए की बाने वाली सूडाएँ. की जा सकती हैं, यह हमारी अपनी संस्कृति में व्यापक रूप सेसमृद्धः कुरआन की आवतों के प्रभाव, ईसाई सम्प्रदाय में सेवा और मना के रहा है। अस इसे अपनाना अधिक अधान है. स्वास्थ्य की देखेरव पर विचार तथा अन्यान सम्प्रायों में योग से सम्बंधित अनेक विचार हैं. किये जा रहे रहनों में करत ही अर्था में अभी जर प्रकर्ती है यह बीचन के लेगे में यह विद्यानवर्ण है जबकि योग के पहि पंचित्रयेकत के नाम प्रति हमारे बोध को विकसित करता है अत: यह शोधार्षियों से लेकर पर योग को फैलाने के कई प्रयासों की कई बार आलोचना की जाती है. लेखकों. कवियों, साहित्यकारों सभी के लिए उपयोगी हो सकता है. अंग्रेप में, हमें यह समझना होगा कि योग के विभिन्न रूपों को हम

तो योग के तस्य अन्य अनेक संस्कृतियों में भी देखने को मिलते हैं. आपका आमंत्रण है.

मजाम्हय में केतली के लिए योग को अपनामा कर्ड दरियों से

चिन इसका कोई साइड हरेक्ट नहीं बेल्क सकारात्मक हरेक्ट ही होता. अपनी सुविधानुसार अपना सकते. है. आप अगर सुबह कुछ घंटे है अतः वेखटके इसका उपयोग करके अनेक रोगों से मुक्ति पाणी जा योगासन और प्राणायाम को नहीं दे सकते तो कोई बात नहीं अपने कार्य में दलविकता व कीशल को बदावर ही आप योग को अपना बना समरणीय है कि योग का उपयोग किये जाने से पहले कई सकते हैं, अगर आप आसन प्राणायाम को घोड़ा बहुत अपना पाते हैं तो अभिवृत्तियों से सम्बंधित चुनौतियों से हमें निपटना होगा. बोग को सोने में सहागा होगा. आपका तस्मन सुधोगा, धन बधेगा और जीवन किसी सम्प्रदाय विशेष से न बोहकर एक वैज्ञाकि विधि के रूप में जुनौतियाँ सुखकर लगने लगेंगी योग की इसी व्यापक दृष्टि के साथ, इस समझना ठीक होगा. वैसे भी पह अलग बात है कि योग का भारतीय. विश्वविद्यालय के मनेविज्ञान विभाग के हमा विजेबा योग मंडल की परिवेश में अधिक विकास हुआ है किन्तु अगर गहरी समीक्षा की जाए. स्थापना की गधी है, थोग के इस अभियान में सहभागी करने के लिए.

जीने के लिए जरूरी है जल संरक्षण



हं करें करें ने कार्यावर कुर में उन्होंने मा दिए. करों बच्ची के संकार का दिए। करों के समाब को काशे का दिए बीट जान प्रोतपुर के जिल्ला में प्राप्त रहते वर्गत होते का तित । क्रांकते

सतारी में कि विकार कि 1.1 जरूप रहेगों को चीने कर शाद्ध चानी नहीं फिल पता है। पाण को हुनों तरे को खाल करने और हुआँ प्रकार को बाद करने के देखा बाहर ere à sauz la cest affaires à 22 and air finns ann finns la sau à

scult up fewer face; fave our fear alt absorder van fink fit dêldtik it naar k solfier reform ore fease at vigar ore subsect first by

जिल पर राजेजन प्रस्ता भी पाली सह 23 and its first of those if one those is affic or see, is stept alle teacops or streams Booth as well favor way frault felt eleas exc. I through at \$ the flow he solve through it with को कार्य कारता है और हराकों करोड़े को ऐको खं ले विकास और विकास को जातारी र को प्रस्त को प्रस्त oft same whate at smor follor and जा रही है। प्रस्तीर जीवनदारी चंद्रदा जान सर्वे हुए. पक्ष के तार में प्रदान सकते हैं, इस भी दृश भार का to: record from Fr sair of others saye.

weet feeder if it was it went to use it year other as we were water के क्राज़ित के इस विकाद करने लेते हैं, इसे ब्लबर की बारे की औदन्त है। इस बचने will as find or old as such any supplies should all play or gift it also करों को अर्थ न रोक्ट क्ष प्रशासित जाता के दिन बहुत उत्तकारक है।

बसारत पर तीन कैंदर्श पाने हीने के बाद नो तीने केना करों इक् मंत्रित पान if if it are office one is not no pass it almost their face its art. जाराओं और हार में की पार्ट की का बरियतन की मेंद्र पहल चूंक हैं, जो करा क्रूबर है को अब इन अपने अवतर काब कर अंधानुध कर वर्ष के तो है।

सीता इस क्या पता उत्तीपक दिखात चीतम के विन्तेन में अकत हैं जहीं करें. का राज की प्रस्ता की प्रतासिक की प्रतिनिक्त की प्रतास की करना पह रहा है। जहां के किया न से इक्से प्रतिक्ष करती है और न बर्डनों के इस सुरक्तता य सबसे हैं। ऐस में शुद्र करें तब खूप और हैरिकेश करें करा-कर्ज़, shed sessed these mer me upon it well by and did from the ਬੇ ਭਰਤ ਸ਼ਹਿਬ ਬਾਰਜ ਦੇ ਹੁੰਦਰ ਅਤੇ ਜ਼ਰਵਾਰੇ ਦੇ 10 ਹਰਿਵਾਰ ਮੀਨ ਵਸਵੀਂ ਜੀਨ ਬਣਦੋਂ If ne's relft alst unit unit after subnit featuring lait it melt is: अंदर दक्षों क्वीनर क्वीतमें तथ होतह नहिमों के इस में होती:

stee It purhace is steer after more not pales are suppor by are all Blabers all move with read if agency around feature on रहरण बाद नीती हैं। इस सामद ती राजनताओं का तान विकास में में जारदी बनावाई way woody up said to

हिल शोरों के पार्टे पर पराईक के लिको स्थान में पार्ट कर उपस्था नहीं \$. 62 may writed all above these officers it found was self in above अरबर माहर करेड चारीस आहा रक गईच सी है। बाक सब्दों की सींगाओं It office risk all resp. For with an inner work sout & rate proper of इस महोत्तरों का प्रारंभारक असर रहेते के अध्यक्त और उत्तीक प्राक्तकता पर that he also allow all his agent agents of our each o

भारत में जिल्हा को उत्तरभा ५६ प्रक्रिया अवस्थि जिल्हा करती है, लेकिन, उनके जिंद मात 4 प्रतिकार पार्चे औ प्रणानम्ब है। विकास के शुरुआती यहंग में पार्चे का software pallicum fatured for three sites was officer, some for some foreign मदावर्त पर्द और क्यों के पर क्षेत्र-वर्तद्वांगिक व परित्-वद्यावर्त्त होते वर। करत

> मर्थानत को ची एक प्रश्ना साध्य प्रवाह गाउ। पर्ने के नंदीर संबंद भी देखते हुए चर्च भी प्रत्यादकार SHOW KNOW ITS ME WIFE IN STORE OF FIRM में 1002 एन फर्ने भी जनतर होती है और फर्ने भर to shod firm that it welded it well the it, under with all concease went to fine would do fin-रिरंपर्त का कीमल बदाया जारा करने कर पाने के administrate filted all tests and older as if the add it will be wore it not she use it sit. familife on if owns as felt a friend is safety with if he after our with mo-aftern की तर भी क्षेत्रण कर पर्ने को है का बचन तह जाता है, कुछ उन्होंन में दिव जाता है और कुछ कर्बाट की प्रवास है। पार्ने पार सरका सामा कि जिल्ह

> If the state thing means it frust it.

faces \$, we are published it one would \$ for a red new it need in the b अधिक मुक्तारे हैं। अगर इस इस्तें तथा करित विकास के कारण अस्ते जात राजधी के सर करते ही है। अब दिए पूर साँ, एक दाए जाई हवाई कोई है। रामरे से बह जाता और एए इस बई बद फारे।

जान गोरि के विक्रिक्त कींद्र केवल और एमें बद्यावर्ट में करत कि बचारे वह एक बाहु करना पह है कि राजें बहुत करता और अववादी के द्वाराथ है। वहां देशों में बारवारी बर्जिवारी के बाराना करों की बरेगत बेक्ट् कर के उसके कोची को करता. If the soft suggests it inverses it, could written count its and thousands. चीतुम्ब में क्षत प्रदानन उन्मीद अपने कते हैं। फान प्रदानन नेन्त्र का है. states widow is gard racing if fare the get under user their as it we been chose stone and and six altrased in altr. व्यक्ति क्रोज पर 24 की पाने की अनुने की जा भी है। काम जा एक है एक हर तर्थ का पार्ट अधिक के ऑपक कबारे को बोर्डिया करें। बार्डिंग को एक यह बहेर बर्देश हैं है हमें बहेज र बहुत अरवत्यक है। देश नहीं है कि उन्हें की सरकार में इन और वर्षी करते। अन्य वर्षी इंग से फर्ने का संस्कृत किया पता और जिल्ला भी गर्क पाने भी करोद करने से रीका तथा भी का बातना का राजापात केवद search manage for more it in more alone (all instance) को, रिकार्ज प्रोर्ट के प्रोर्ट करने में लेकर को नहीं भी करों को करान अपन पूर्व लाएंगे हम नया सवेरा, सपना होगा अपना पूरा, स्वच्छता का होगा बसेरा खिशयों का अब होगा डेरा

धरती होगी तब खुशहाल जब मिलकर हम करेंगे इसकी देखभाल

स्वच्छता की करनी है शुरूआत देकर एक दूसरे का साथ

करेंगे हम स्वच्छता का प्रसार बाप का सपना होगा साकार

भारत जब स्वच्छ होगा हर नागरिक स्वस्थ होगा जन-जन को जागरूक बनाना है हरित भारत अपनाना है

लाएंगे भारत में स्वच्छता का बयार रखेंगे प्रकृति की खुबसुरती को बरकरार

पेड़ों की न करो कटाई पौधे लगाकर करो भरपाई ।।

विज्ञान की जरूरत कल और आज



उन्हें 1050 में नोवल परस्कार से

समय तक भारत या गशिया के

किसी पर्याप्त को भौतिको का

जेवल परस्थार नहीं मिला था.

नेकिन आज हम भारत को

में कहा चाते हैं। कम से कम वहां 🏂

विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र

ते नहीं जहां इसे होना चहिए,



चीन में सात गना ज्यादा शोध पत्र प्रकाशित होते हैं और बाजील में भी हमसे तीन गना अधिक शोध पत्र प्रकाशित होते हैं. शोध पत्रों के प्रकाशन में वैश्विक स्तर पर हमारी हिस्सेचरी 2.11 प्रतिकात है.

हमारे देश में विज्ञान और अनुसंधान पर चर्चा तभी रोती है जब कोर्ड नेता. मंत्री या प्रधानमंत्री उसके विज्ञान से होने चले मार्चे के प्रति सम्बन में स्वास्ति पर बोलो हैं. विज्ञान की क्याली पर वेन जागरूकता लाने और वैशानिक संच्य पैदा करने। ब्रोहं नई बात नहीं है, क्रम्तविक बगतल पर आज तक के उद्देश्य से हर साल 28 फरवरी की भारत में राष्ट्रीय - होस और सार्थक क्रियान्वयन नहीं हो प्रथा है.

विज्ञान दिवस मनागा जाता है. 1928 में ब्रोटनवाता में इसमी क्रिशा प्रणाली देश में आधार पूर विज्ञान भारतीय वैज्ञानिक प्रोफेसर चंद्रशेखर केंकट रमन ने किछ्वों के प्रीत सीच जगाने में असपस्य सी है. उसमें इस दिन एक उत्कट वैज्ञानिक खोज की थी जी 'समन' ऐसा बोध ही वैदा नहीं किया एवा कि पिज़ान को इपेक्ट' के रूप में प्रसिद्ध है, जिसको मध्द से कार्यों की । पाडावल में शामिल एक क्रिया से भी आगे समझ आणीयक और परमाणीयक संरचना कर पता लगाया - जरा, भावद वही सजा है कि विवले कई सालों से देश

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस विशेष में एक भी ऐसा वैज्ञानक जी हुआ जिसे पूरी दनिया उसकी अनोखी देन के काण पराचान किसी धारतीय नागरिक की नोवल भी ६४ मान पहले मिल था (सीवी रमन, 1930 भीतिको), तब से हम भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों द्वारा ऑजेंत नोबल पर ही खुशी

. वैज्ञानिक शोध के मामले में हमसे आने निकल चके हैं. संसाधन कम थे तब हमारे बड़ां जगदीश चंद्र बोस आज देश में प्रति 10 लाखा भारतीयों पर मात्र 112 जीवल पुरस्कार विजेता सर सीवी रमन, मेधनाद साहा, व्यक्ति ही वैज्ञानिक मोध में लगे हुए हैं. रमन इफेक्ट - सत्येन बोस जैसे महान वैज्ञानिक हुए, लेकिन आज को खोज के बाद भी हम उस पर और आगे शोध नहीं जब संसाधनों की कमी नहीं है, हमारे देश में विज्ञान कर पाए और रमन स्कैनर का विकास दूसरे देशों ने . को स्थित दयनीय बनी हुई है, देश के अधिकांश पृता किया, यह हमारी नाकामी नहीं तो और क्या है, जबकि अनुसंधान करवंड्रमों से जहने की बजाब या तो आईटी रमन प्रधाव रसायनों की आर्थावक संस्थान के क्षेत्र में चले जाते हैं वा फिर मैनेजमेंट क्षेत्र अपना अध्ययन में एक प्रचली साधन है, इसका वैज्ञानिक अधिया बना लेते हैं, इन क्षेत्रों में उन्हें भारी-भारकम अवसंभाव की अन्य अवसाओं जैसे औपधि विजय - पैकेड सिल गरा है तथा सम्माजित्र परिष्य भी जबकि जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, खगील विज्ञान तथा विज्ञान विश्वान विश्वान किया वे वीराज्यारी करने के बाद बेरोजवारी क दरमंचार के क्षेत्र में भी बहत महत्व है, एक रिपोर्ट के देश डोलना पहता है, आर्थिक तंत्री के माथ-माथ शोध अनुसार वैश्विक स्तर पर गोध पत्रों के प्रकारन के. और अनुसंधान में आगे अवसर न होने की वजह से मामले में भी चीन और अमेरिका से भारत काफी पीछे व्या अवसाद में अने लगते हैं.

patrika.com

रंपरा ल छोड़त हे...!

बफे म भोजन के बरबादी होथे

मों वै म भूत्रेया म नदर्श ल बिखा संस्कारीति के। अब तो योव-गोर्व्ह म के आराम से बहुद के सब्बों पानी कुछ होइस त अवन पर म बकर भार साथे। तेमा परावेत्रपा ४ अपन ताथ से जम्मोजन स बरोबर परोसचे।

लहना-सियान एकं संग बढ़ सुगार - सिस्टम म सनाग बर सुरू कर देव है। जेमा भात-स्वय के करकादी होथे।

खडे होते. भात खाग अंड खवाय जेकर ले भात-साग के बरबादी घरते. के रिकान हमर संस्करीति म नहुये। न्द्र होक्य। एक मंग भार स्वाय म को - जेमा भार-स्था के कावादी करें का गोठ-बात होये। जेमा सब्बो सियानमन वाती। भारतीय संस्करीत म ले ले बने गोठ-बात सने-समझने के सियानमन सहर ले भईवा म पालटी मार मजबर निलचे। आधुनिक दौर म के बढ़े अरुम ले बहुउचे अड मन भर बिहाब, मानी, हाटही सब्बो म भात- के खांचे। ऐकर ले भात चलो बने साम खावय के तरीका ह बदल के - खाक्रपे अर पथ्ये चली। जेकर ले बफर सिस्ट्रम हो ये है। जैन ह मांदी भात स्वीर के बने दंग ले बिकास होथे। हमा के महातम ल कम करत है। पहली जन्म व्यक्तिमध्ये परंपरा ल आधनिक संस्थात सहर ले होट्स हे ये बिदेशी | दौर म सब भारतवा जावत है।



बसार

- ग. संमव हो तो टाइप करने से पूर्व कच्चा प्रारूप तैयार कर लें, इससे कार्य के दोहरीकरण व कागज के अपव्यय से बचा आ सकेता।
- छपे हुए फार्मों का प्रयोग सम्बन्धित जदवेश्य हेतु ही करें, एक कार्य हेतु नहीं।
- कम्प्यूटर का प्रयोग :- आज का युग कम्प्यूटर का युग है। छोटे व्यावसायिक उपक्रम में भी कम्प्यूटर का उपयोग आवश्यकता बन गया है। कम्प्यूटर पर किये गये कार्य को प्रिटर के माध्यम से कागज पर उतारा जाता है। अक्सर देखा गया है कि प्रिंटिंग कार्य के दौरान कागज का काफी अपव्यय होता है, विशेषकर सरकारी कार्यालयों में निम्नांकित सामान्य सावधानियां बरत कर हम कागज के अपव्यय को रोक 8. सकते हैं :-
- आवश्यकता होने पर ही हो पार्ट या हो से अधिक पार्ट के पेपर सेट का प्रयोग करें केवल पिटर पर पेपर बदलने के आलस्य के कारण आवश्यकता न होने पर भी एक से अधिक पार्ट के कागज सेट का प्रयोग न करें।
- पिंट की जाने वाली विषय वस्त या कम्प्यटर के प्रिंट प्रोग्राम की आवश्यकतानुरूप आकार के कागज का प्रयोग करें।
- के अपव्यय से बचा जा सके।
- कम्प्यटर द्वारा सामान्यतः प्रारंभ व अंत में एक पष्ठ खाली छोड़ दिया जाता है यदि शीर्थक लिखने बाबत इन पृथ्ठों की आवश्यकता न हो तो रिक्त पृथ्वों को

काटकर उनका अन्यत्र उपयोग किया जा सकता है।

- कई बार प्रिंटर हेड व रिवन में गड़बड़ी आ जाने से छापी गई सामग्री अपठनीय व अनपयोगी हो जाती है। ऐसे पृथ्वीं का चल्दी ओर से सद्पयोग सभव है।
- विंट प्रोग्राम की जांच के लिये या एफ प्रिंट के लिये सहेज कर रखे गये रफ कम्प्यूटर कागज का प्रयोग करें।
- विवरणात्मक सामग्री का फेयर प्रिंट प्रूफ रीडिंग के पश्चात ही तैयार करें। यदि छापी जाने वाली सामग्री की प्रूफ रीडिंग स्क्रीन पर संभव न हो तो प्रफ रीडिंग हेत् एक कमयूटर कामज का जपयोग करें।
- समाचार पत्रों सहित तमाम रददी कागज, गत्ते दत्यादि को एक टोकरी या धैले में इकटता कर कबाडी के हाथों बेचिये। यह पददी नये कागज के निर्माण में कच्चे माल का काम करेगी।
- अपने संगी साधियों के साध कागज के मितव्ययतापणं उपयोग की आवश्यकता. व्यावहारिकता व महत्व पर चर्चा करें और सन्दें ऐसा करने के लिये प्रेरित कीजिये। उन्हें समझाये कि ऐसा करना कर्ज़सी या पागलपन नहीं अपित सामधिक आवश्यकता है।

यह कुछ चनिंदा उपाय मात्र है सम्पूर्ण नहीं। छपाई कार्य के दौरान कार्य निष्पादन का अपनी दिनचर्या या कार्य प्रदित का सरसरी तौर पर सतत रूप से अवलोकन करते रहे ताकि अवलोकन करने पर हम पायेंगे कि ऐसे अनेक सपाय प्रिंटर पर कागज सही इंग से फिट हो यां है जिनको अपनी रोजमर्रा की विनवर्या में शामिल कर गलत कमांड से होने वाली अनुपर्यांगी व हम कागज की बचत कर सकते हैं। आइये, आज व अवांकित छपाई को तरन्त रोक कर कागज अभी से कागज संरक्षण के पुनीत कार्य में जुट जाये। कागज की बचत युक्ष व पर्यावरण का संस्क्षण है।



कृष्णकमार पटेल नवोदय विद्यालय चिस्ता

बयार पर्यावरण संरक्षण : हमारा योगदान

समस्या है। बिगडते पर्यावरण व बढते प्रदर्पण ने मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। यदापि राजकीय तंत्र सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठन इस समस्या से निपटने हेतु सतत् प्रयत्नशील है पर वार्षित सकारात्मक परिणाम दुष्टिगत नहीं हो पा रहा है। क्यों?

उत्तर सरल एवं स्वष्ट है कि हमने पर्यावरण संरक्षण संबंधित कार्य को मात्र सरकारी दायित्व मानकर अपने कर्त्तव्य की इतिश्री कर ली है जबकि आवश्यकता इस बात कि है कि इस भागीरथी अभियान में हम अपने आपको व्यक्तिगत व सामृहिक रूप से संम्यद करे तभी ही यह धरा भावी नवांकुरों के लिये सुरम्य स्थल के रूप में बच पायेगी।

सुदृढ़ व संतुलित पर्यावरण, प्रदूषण को आत्मसात् कर लेता है इसी कारण प्रदेशण की सामान्य मात्रा सर्दालित पर्यावरणीय चक्र को प्रमावित नहीं कर पाती अतः प्रदेषण निवारण के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण हेत् भी प्रयास करने होगें।

पर्यावरण संरक्षण रूपी हमारे प्रयास आमतीर वक्षारोपण, लकडी व ईंधन के अन्य स्त्रोतों के मितव्ययतापूर्ण उपयोग जीसे पारम्परिक उपायों तक सीमित रहते हैं। आज मैं एक ऐसे सामान्य लेकिन महत्वपूर्ण उपाय पर चर्चा करना चाहंगा जिसे इस संदर्भ में यथोधित रूप से प्रचारित व प्रयक्त नहीं किया गया है। यह उपाय है कागज का मिलव्ययतापूर्ण

चूंकि कागज उत्पादन में वृक्षों द्वारा प्रदत्त सामग्री का उपयोग कच्चे माल के रूप में किया जाता है अतः कागज का मितव्ययतापूर्ण उपयोग कर वृक्ष व पर्यावरण संरक्षण में योगदान किया जा सकता है। हम अपने दैनिक जीवन में निम्नांकित आदतों को शामिल करके

बिगडला पर्यावरण वर्तमान विश्व की एक ज्वलंत कागज का आसानी से मितव्ययतापूर्ण जपयोग कर

- डाक निमन्त्रण पत्र इत्यादि के रूप में प्राप्त लिफाफों को तीन ओर से काटने पर एक प्लेन पेपर वन जाता है। जिसका उपयोग विद्यार्थी अपने अभ्यास या रफ कार्य करने में कर सकते है। निबंध पत्र इत्यादि के कच्चे लेखन कार्य में भी इस कागज का उपयोग किया जाता है। हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी इस मांति कागज का पूर्ण सद्पयोग किया करते थे।
- किसी भी कागज को फेंकने से पूर्व देखिए कि वया इसका अभी और उपयोग किया जा सकता है? यदि हां, तो इस हेतु सहेज कर रखिए।
- थोड़े से कार्य के लिए आदतन पूरे पृष्ठ का इस्तेमाल न करें। यदि करें तो शेष पृष्ठ को काट कर आगे प्रयोग हेत सम्भालिये।
- बच्चों को कागज से अनावश्यक खिलवाड न
- परीक्षा परिणाम प्राप्त होने के पश्चात पुरानी नोट बुकों में रिक्त पृथ्वों को निकाल कर एक नयी नोट बुक बनाई जा सकती है। जिसका प्रयोग छुदिदयों में बच्चों के अभ्यास कार्य, एक कार्य व धरेलू नोटिंग के लिये किया जा सकता है।
- कार्यालय में कार्य करते समय हम निम्न सावधानियां बस्त कर कागज की बचत कर सकते हैं :--
- क. कागज का प्रयोग आवश्यकतानुसार ही
- पत्र, नोट या विवरण पत्र की जितनी प्रतियों की आवश्यकता हो उतनी ही तैयार

GENERAL





Today, the phenomenon of climate change has become one of the most critical global issues, and is soon going to be the biggest challenge faced by the humans. Some of the drivers of climate change include deforestation, infrastructural developments,

transmission of increased CO, emissions, burning of trash, growing number of vehicles and setting up of automobile workshops and dumping.

Causes and effects of climate change

Human activity from pollution to overpopulation is driving the earth's temperature up and is fundamentally changing the world around us. It is basically called the greenhouse effect - warming which results when solar radiation is trapped by the atmosphere. Gases in the atmosphere such as water vapour, carbon dioxide, nitrous oxide, methane and chlorofluorocarbons (CFCs) are the biggest sources of global warming. The more greenhouse gases in the atmosphere, the more heat trapped, thus strengthening the greenhouse effect and increasing the earth's temperatures. Human activities like the burning of fossil fuels have increased the CO, levels, especially since the Industrial Revolution. The rapid increase in the greenhouse gases in the atmosphere had been warming the planet at an alarming rate. While earth's climate has fluctuated in the past, atmospheric carbon dioxide has not reached the levels it is touching today. Climate change has consequences for our oceans, weather food and health.

Ice sheets such as Iceland and Antarctica are melting. The extra water is causing sea levels to rise and spills out of the oceans, thus causing floods in more regions.

Warmer temperature also makes strange weather

patterns. This means not only more intense major storms, floods and heavy snowfall but also longer and heavy droughts. These changes in weather are the real challenges.

Growing crops becomes more difficult; the areas where plants and animals can live, shift. Water supplies are diminished.

In addition to creating new agricultural challenges, climate change can directly affect people's physical health. In urban areas, the warmer climate creates the environment that traps and increases the amount of smog. This is because smog contains ozone particles which increase rapidly at higher temperatures. Exposure to the higher level of smog can cause health problems such as asthma, heart disease and lung cancer.

While the rapid rate of climate change is caused by humans, it is us, the humans, who can combat this menace. If we work to replace fossil fuels with renewable energy sources, like wind and solar, which don't produce greenhouse gas emissions we might be able to prevent some of the worst effects of climate change.

There is, currently, a sheer lack of awareness regarding real dangers of climate and the ways we should combat those. The issues should be brought up as a topic in social sciences, mass communication, environmental and religious lectures or Friday sermons. The Ulema and the social and political leaders must take the lead in this

> Krishna Kumar Patel Science Teacher, Navoday Vidyalay

> www.jworldtimes.com June 2018

विज्ञान की जरूरत कल और आज



सम्मानित विशास गया था. उस

समय तक भारत वा पश्चिम के

flecily ratifies all subfreals see

वोजन परस्कार नहीं मिला था.

लेकिन आज हम भारत की

में बातां पाते हैं। बाम से बाम बतां 🤲

भीता है आल जाता प्रसाना क्षेत्रत एवं प्रसानित सेने हैं और बालील में भी हमके तीन गुना अधिक शोध पत्र andly it second if the role if the rother स्तर पर हमारी हिस्सेन्द्रसे 2.11 प्रतिवात है.

शमारे देश में विज्ञान और अनुसंधान पर चर्चा वर्ष शामों है जब बड़ेर्र मेल मंत्री का प्रधानमंत्री जसकी विज्ञान से होने वाले लाखें के प्रति समाज में खद्माली पर बोलते हैं, विज्ञान की बद्माली पर रोज ग्रामकता लाने और वैज्ञानिक स्टेच पेड करने। कोई वई बात वहीं है. बास्तविक धरातल पर उग्रज तक के उद्देश्य से घर साल 28 फरवरी को भारत में राष्ट्रीय होस और सार्थक क्रिया-वदन नहीं हो पाना है.

विज्ञान दिवस मनाया जाता है. 1928 में ओलकाता में शबारी मिला प्रणानी देश में आधारधन विकास भारतीय वैज्ञानिक प्रोपेक्सर चंत्रलेखर चंकट रमन ने । विषयों के प्रति क्षेत्र जनाने में असफल रही है. उसमें इस दिन एक उल्बूब्स वैज्ञानिक फ़्रीज की भी जी 'रमन ऐसा बोध ही पैस नहीं किया गया कि विज्ञान की इफेक्ट के रूप में प्रसिद्ध है, जिसको मदद से कणों की वात्रप्रक्रम में शामिल एक क्रियम से भी आगे सम्प्रा आपाविक और परमापविक संस्थाना का पना लगाया। जाए शायद वही प्रजात है कि पिछले कई सालों से दे

जा सकता है और जिसके लिए उन्हें 1930 में नोबल परस्कार से **राष्ट्रीय विज्ञान दिवस विशेष** में एक भी ऐसा वैज्ञानक नहीं

तो नहीं नहां इसे होना चाहिए three its and with her year

अनोक्षी देन के फारण प्रश्चान फिली भारतीय नागरिक क नोचल यो sa साल पहले मिल था (सीवी रमन, 1930 भौतिको), तब से इस भारतीय अजिल मोकल पर ही खड़ी मनाते आए हैं. आतादी के समय जब देश में

वैज्ञानिक शोध के मामले में हमसे आगे निकल चके हैं. संसाधन कम थे तब हमारे यहां जगदीश चंद्र बीस. आज देश में प्रति 10 लाख चारतीची पर मात्र 112 - नोबल पुरस्कार विजेता सर सीवी रमन, मेचनाद साहा, व्यक्ति ही वैज्ञानिक शोध में लगे हुए हैं. रमन इफेक्ट साचेन बीस जैसे महान वैज्ञानिक हुए, लेकिन आज की खोज के बाद भी हम उस पर और आगे शोध नहीं। जब संसाधनों की कमी नहीं है, हमारे देश में विज्ञान कर पाए और रमन स्कैनर का विकास दूसरे देशों ने अने स्थिति दवनीय बनी हुई है. देश के ऑफकांश युवा किया. यह हमारो नाकामी नहीं तो और क्या है. जर्बाक - अनुसंधान कार्यक्रमों से जुड़ने की बजाय या तो आईट रमन प्रभाव रमावानों को आणविक संस्थान के क्षेत्र में चले जाते हैं या फिर मैनेअमेंट को अपना अध्ययन में एक प्रचानी साधन है. इसका वैज्ञानिक पांचण बना लेते हैं, इन क्षेत्रों में उन्हें भारी-भरकम अनुसंधान की अन्य शास्त्राओं, जैसे औषधि विज्ञान, पैकेन मिल रहा है तथा सामाजिक प्रतिश्र थी. जबकि जीय विज्ञान, भौतिक विज्ञान, स्वमील विज्ञान तथा। विज्ञान विषयों में पीएमडी करने के बाद मेरीजगारी का दूरसंच्यर के क्षेत्र में भी बहुत महत्व है. एक रिपोर्ट के - दंश झेलना पढ़ता है. आर्थिक तंगी के साथ-साथ शोध मामले में भी भीन और अमेरिका से भारत काफी पीछे। युवा अवसाद में आने लगते हैं. 🗯





कृष्णकमार पटेल नवोदय विद्यालय चिस्दा

refracts were finance out object exec-

The country of purpose based of the entire o

The other defense with the materian against restal our regards.

Fore, we can a platform result of presence the literature of the greatest from the core of the other and the core of the

The course of th



ICT Tools Used

Simulations

- . Interactive Periodic Table
- PhET Simulations
- ChemTube 3D

YouTube Videos

- Laptop
- Smart Phone
- OpenShot video editor

Online Meeting Tools

- Microsoft Teams
- Cisco Webex
- Google Meet
- Zoom

Digital Learning Platforms

- · edX
- DIKSHA
- * NISHTHA

Presentations

- Projector
- Laptop
- . Microsoft PowerPoint
- Internet

Other Software's

- Google forms
- Google Drive
- MS Excel
- MS Word



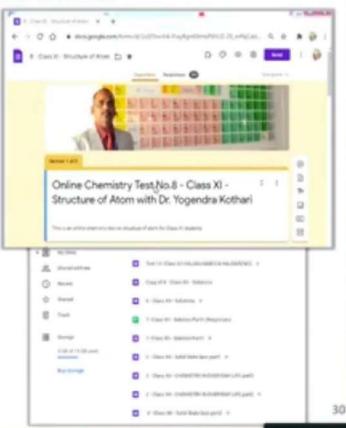
Glimpses of Master Trainer Activities (2022-23)



Online Assignment: Google Forms

- Prepared Online Chemistry Tests for students on Google Forms platform
- Analytics available, which is the most difficult question for students





Student Participation in Rural IT Quiz

Mentored students in Rural IT Quiz organized by Karnataka Government and TCS



Student Qualified the Quiz



Up Skilling Myself in ICT areas: Courses

- DIKSHA Courses
 - o CM Rise (4 courses)
 - Nishtha 2.0 modules by MP Education Department (16 courses)





DIKSHA

- CIET-NCERT training courses
 - Digital Tools for Teaching, Learning and Assessment of Specific Subjects
 - Multimedia Resources for Teaching, Learning and Assessment
 - Digital Pedagogy
 - Animation as Digital Resource for Teaching and Learning
 - Open Educational Resources (OER) and Licenses
- Cyber Security
 - Orientation of the Cyber Ambassadors by CIET-NCERT and Cyber Peace Foundation

Student Participation in Science Competitions

- Established science clubs in Schools
- These science clubs are a starting point to enhance and motivate students' interests outside of classroom into a whole new world of learning and development
- Guided students in selecting topics for these competitions and also mentored them in making presentations, videos, other materials using ICT tools
- Mentored more than 5000 students in my teaching career for various school projects

Competition	# of Students Mentored
National/ State Children Science Congress	100
National/ State Science Seminar	30
INSPIRE Award	20
National/ State Science Drama	80
Jawaharlal Nehru National Science Exhibition	2
Intel IRIS Science Fair	2
Western India Science Fair	45
India International Science Festival	9
Others	50
TOTAL	338







Presentation by Students



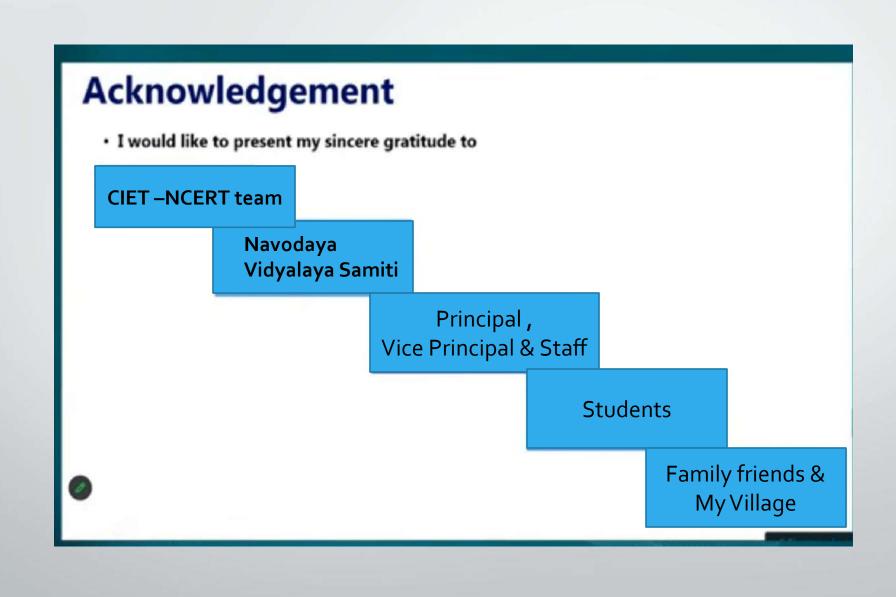


My Future Plan for ICT Integration

Integrate more open source ICT tools in teaching and learning

Develop App for teaching and learning More innovative videos on YouTube which would be readily available for students and global community

Website serving my own created materials Plan to attend trainings on Software development and further use it More work with Multimedia, Simulation software's, preparation of science games





Work Background

Being Science Teacher

- . Extension lectures on using ICT in various online platforms as well as offline .
- . Attended many workshops/conferences/Seminars at NVS, State and National Level
- Resource Person on PISA, E-content making, different online trainings.
- Creating paperless work in Exam work Using google sheet and forms
- Represented School & cluster at Science congress, I/C of Atal Tinkering lab, Jr.science Lab & Solar Ambassador and many more.





WRITINGS

- 1. E-Content Science Study Resource Material Class 8th
- 2. Mind Maps for 6th, 7th & 8th Grade Students on Science
- 3. Concept Maps on Science Modules & Manuals for Teachers
- 4. Preparing PISA based questions on Science for Class 6 to 8th
- 5. E Work Books for Science and preparing more than 300 Science video lesson clips
- 6. Google Quiz , Kahoot interactive games , Hot potatoes and mentimeter on Science
- 7. For CWSN students ,making & sharing audio clips using ANCHOR app



1. This period of Corona pandemic, creating hundreds of interesting animated videos using various tools of ICT, but also brought innovation in the old mnemonic method and digitized it i.e. by creating different acronym words. I also tried to create immense possibilities of creativity and visualization in the students by combining them with animated images and stories.

2.More than 13000 YouTube subscribers of Channel "KKpatel", 7 more web pages and through my blog, make students aware of the hustle and bustle in the the world of science, along with making videos related to moral values and nation building, motivating them to become an aware citizen

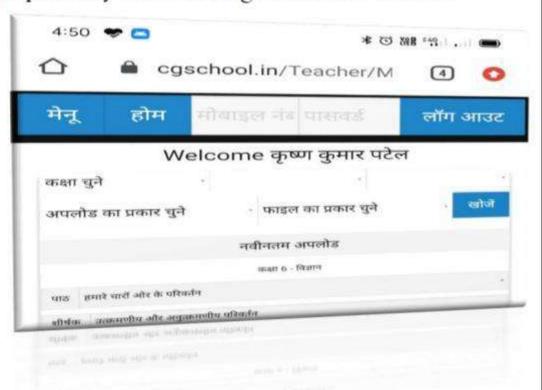


Contribution towards use of ICT for community

I have uploaded some science videos which is prepared by me in state government website

www.cgschool.in

So I can connect with the children of the state level school as well. Because our Navoday School is a PACE SETTING SCHOOL. So we are getting a chance to join the other schools, All this is possible due to ICT. Till now I used to work in a limited area, but now my field of work has expanded and slowly people are joining me and by joining with them I am able to make my knowledge more productive



A brief about different activities successfully conducted as part of academic activities in vidyalaya. The information are as follows.

i) Preparing E-Content Science Study Resource Material Class 8th

ii) Master trainer Online Assessment, online class ,Cyber safety and security

ii) In charge of Atal Tinkering Lab, Solar Ambassador

iii) Establishment & improvement of junior science lab

iv) Nodal Teacher of A.E.P.& Member of Eco-club, Science club

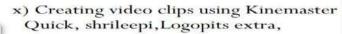
 ${\bf v}$) Attending different training programmer -NCC CATC Camp, Cluster Science Meet

vi) Associate House Master -Neelgiri & class teacher of class VIIIA

vii) Attending Science Refresher Course, PISA, ACP

viii) Guidance in Science Model preparation and Quiz Programme & presentation of PowerPoint in different topics.

ix)Master trainer :- YOGA



This training programmes and using different software have provided me to apply ICT for analysing different types of data incorporate the different topics help to making lesson plans and taking online & offline classes safe and effective.

Also Participation in various activities as



directed by the Principal.

Academic and other achievement



My contribution is using Google spreadsheet in Exam. Now exam room working paperless fully digital. We share blank mark slip, consolidated google sheet that every teacher fill their marks everywhere not only in school but also in their homes or out station. It is fully secured easy to maintain and most thing is to save paper. Google Sheets, which is available for free with no installation required, also offer specific online benefits sharing spreadsheet documents, online storage, shared, Realtime editing over the Internet, and, most recently, offline access to files. In todays pandemic situation, when school is completely closed and online classes are required, then as a master trainer, I gave training and helped the teachers to learn How to take online classes on google meet ,How to do online assessment on Google forms ,Kahoot ,hot potatoes mentimeter, How to prepare online students mark sheet on Google sheet, How to assign them ,how to use google form .I have also created a YouTube channel name kk patel in which I have uploaded more than 200 videos so far. In this channel I have uploaded short videos of various topics of science subject. Have also tried to summarize the various activities of the school. I have also uploaded many videos giving moral education to students In my view in the current situation, it has been the best medium for me to reach out to my students. As we know that Science subject can be difficult to explain; but using YouTube as a virtual library to support our eLearning content by providing our learners with access to its videos allows me to better illustrate complex concepts, procedures, and ideas. I have also created a web page named SCIENCE TECH in social media where I share a lots of science information, news and clips to web surfer.